भारत सरकार
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं0 1896
22 सितंबर, 2020 को उत्तर के लिए

सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना

1896. श्रीमती माला रायः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना की स्थिति और इसकी कुल अनुमानित लागत क्या है;

(ख) अर्थव्यवस्था की खस्ता हालात के आलोक में इस परियोजना के पीछे औचित्य/आवश्यकता क्या है; और

(ग) परियोजना को मूर्त रूप देने वाली कम्पनियों तथा इसके चयन की प्रक्रिया का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) नए संसद भवन के निर्माण के लिए निविदा की जांच चल रही है, जबकि अन्य भवनों के लिए वास्तु योजनाएं आयोजन चरण के तहत हैं। नए संसद भवन के निर्माण की अनुमानित लागत 971 करोड़ रुपये है। अन्य भवनों और सेंट्रल विस्टा एवेन्यू के विकास/पुनर्विकास की अनुमानित लागत को योजनाओं को अंतिम रूप देने के पश्चात् जुटाया जाएगा।

(ख) मौजूदा संसद भवन का निर्माण कार्य वर्ष 1921 में आरंभ किया गया था और वर्ष 1927 में पूर्ण किया गया था; इस प्रकार भवन पहले से ही 93 वर्ष पुराना है और तब से इसे विरासत श्रेणी-I भवन घोषित किया गया है। संसद की वर्तमान मांग को पूरा

करने के लिए इसकी सुख-सुविधाएँ अत्यधिक अपर्याप्त हैं। इसमें कार्यालय स्थान की भारी कमी है और संसद सदस्यों के लिए अलग-अलग कक्ष नहीं हैं। यह भवन द्विसदनीय संसद के लिए नहीं था और वर्षों से किए गए बड़े पैमाने पर रेट्रोफिटिंग के माध्यम से इस पर अधिक बल दिया गया है। स्वतंत्रता के बाद सेंट्रल विस्टा के अन्य भवन जैसे कृषि भवन, उद्योग भवन आदि बनाए गए। ये भवन 50 वर्ष से अधिक पुराने हैं और कुशल कार्यालय वातावरण के लिए इन भवनों में काम करने की जगह, पार्किंग, सुविधाओं और सेवाओं की कमी है। विभिन्न स्थानों में केंद्र सरकार के मंत्रालयों और विभागों के विस्तार से अक्षमता हो जाती है और इन समस्याओं का समाधान एक सामान्य केंद्रीय सचिवालय विकसित करके ही किया जा सकता है।

सेंट्रल विस्टा, जो कि राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक फैली नई दिल्ली का मुख्य मार्ग है, दिल्ली में सबसे अधिक देखे जाने वाले पर्यटन स्थलों में से एक है। इसका उपयोग गणतंत्र दिवस परेड और विभिन्न अन्य कार्यों के लिए किया जाता है जिसमें दुनिया को राजधानी दिखाई जाती है। तथापि, इसमें बुनियादी सार्वजनिक सुख-सुविधाओं और पार्किंग आदि का अभाव है। असंगठित विक्रय और बेतरतीब पार्किंग से भीड़ बढ़ती है और एक खराब सार्वजनिक धारणा बन जाती है। इसलिए, यहां सेंट्रल विस्टा के उन्नयन की आवश्यकता है।

वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में, परियोजना बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न करेगी जो आर्थिक पुनरुद्धार के लिए एक महत्वपूर्ण आधार हो सकता है।

(ग) सेंट्रल विस्टा के विकास/पुनर्विकास के लिए परामर्शी कार्य केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्लयूडी) द्वारा अपनाई गई गुणवत्ता-सह-लागत आधारित (क्यूसीबीएस) निविदा प्रणाली के माध्यम से एचसीपी डिजाइन प्लानिंग एंड मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है।

नए संसद भवन के निर्माण के लिए निविदा को खुली प्रतियोगी बोली के माध्यम से आमंत्रित किया गया है। मेसर्स टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड 861.91 करोड़ रु. की निविदा वाले न्यूनतम निविदाकार के रूप में सामने आया।

*****